

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 6 अक्टूबर 2011 को 13:15 बजे, दिल्ली में जन्म लेने वाले जातक की लग्न तथा ग्रहों की स्थिति की गणना करें।
2. उपरोक्त प्रश्न क्रमांक 1 में दर्शाये गए ग्रहों के नक्षत्र पद व 1 जनवरी 2020 के लिए विंशोत्तरी दशा तथा अंतर दशा ज्ञात करें।
3. (क) घंटे, मिनट और सेकण्ड में बदलें
i) 54 घंटी 48 विघटी ii) 26 घंटी 10 विघटी
(ख) घंटी और विघटी में बदलें।
i) 14 घंटे 05 मिनट 45 सेकण्ड ii) 8 घंटे 20 मिनट 36 सेकण्ड
4. जन्मतिथि 09.7.1955, समय 12:20 बजे, जन्म स्थान अमरोहा (उ.प्र.)
राहु दशा शेष 14 वर्ष 06 माह 4 दिन

लग्न-ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट
लग्न	कन्या	22	02
सूर्य	मिथुन	23	04
चंद्रमा	कुम्भ	09	15
मंगल	कर्क	05	25
बुध	मिथुन	02	06
बृहस्पति	कर्क	12	10
शुक्र	मिथुन	08	19
शनि(व)	तुला	21	21
राहु	धनु	03	01
केतु	मिथुन	03	01

वर्ग कुण्डली से आप क्या समझते हैं? उपरोक्त कुण्डली के लिए द्रष्ट कोण और नवांश कुण्डली बनाएं।

5. निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें
(क) भाव संधि (ख) दशम अथवा एम सी
(ग) सायन प्रणाली (घ) युद्ध काल का संशोधन

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. रिक्त स्थान भरें :-
(अ) वृषभ लग्न के लिए ----- ग्रह योग कारक है।
(आ) ----- लग्न के लिए वृश्चिक राशि बाधक राशि है।
(इ) बड़े भाइयों के लिए ----- कारक भाव है।
(ई) यदि जन्म के समय चंद्रमा का भोगांश 334° है तो ----- ग्रह दशा स्वामी होगा।
(उ) ----- ग्रह मकर लग्न के लिए मारक ग्रह होगा है।
(ऊ) ----- राशि, काल पुरुष के उदर को दर्शाती है।
(ए) सातों ग्रह चार राशियों में स्थित होने पर ----- योग बनता है।
(ऐ) ----- तथा ----- ग्रह शुक्र ग्रह के मित्र हैं।
(ओ) ----- ग्रह शरीर में रक्त को दर्शाता है।
(औ) सूर्य ----- (संस्थ पारिवारिक) और ----- (शरीर अंग) को दर्शाता करता है।
7. ग्रहों की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करें। यह फलित में कैसे उपयोगी है?
8. बारह लग्नों के लिए शुभ तथा अशुभ ग्रहों की व्याख्या करें।
9. एक उदाहरण देते हुए विपरीत राज योग का वर्णन करें। क्या यह प्रश्न 4 में उपस्थित है?
10. धनु, कुम्भ, वृषभ तथा कर्क राशियों के लक्षणों की व्याख्या करें।